



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 183]

No. 183]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 12, 2004/चैत्र 23, 1926

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 12, 2004/CHAITRA 23, 1926

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 2004

सा.का.नि. 258(अ).—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) दिनांक 31 मार्च, 2004 में सा.का.नि. 248(अ), दिनांक 31 मार्च, 2004 के साथ प्रकाशित भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) अधिसूचना संख्या 4/2004-सेवाकर, दिनांक 31 मार्च, 2004 में पृष्ठ 1 से 3 तक,—

पृष्ठ 1 पर, हिन्दी रूपान्तर में, पंक्ति 10 में “उपधारा (1) के खण्ड 90” के स्थान पर “खण्ड (105)” पढ़ा जाए।

[फा. सं. 305/55/2003-विदेश यात्रा कर]

डी. एस. गर्ब्याल, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 12th April, 2004

G.S.R. 258(E).—In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 4/2004-Service Tax, dated the 31st March, 2004, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), dated the 31st March, 2004, with G.S.R. 248(E), dated the 31st March, 2004, at pages 1 to 3—

at page 2, in English version, in line 10, for “clause (90) of sub-section (1)” read “clause (105)”.

[F. No. 305/55/2003-FTT]

D. S. GARBYAL, Under Secy.